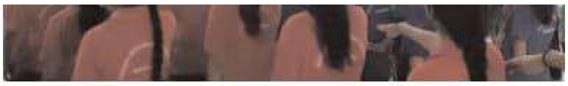

आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मे एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

तवँर न्यूज़ संवाददाता

मुरादनगर। आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर में एक दिवसिय कॉन्फ्रेन्स चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम'' नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेन्स ग्रीन कैमिस्ट्र नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एस0पी0इ0आर0 जामिया हमर्दद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रौ0 आर0 के0 शर्मा, डॉ0 वी0 कलाईसेलवन, श्री सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी0 आर0, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ0 एस0 सदीश कुमार निदेशक आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया।

इस कॉन्फ्रेन्स का उद्देश्य छात्रों को मैटरियोविजिलैंस तथा स्वास्थय के क्षैत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग के बारे मे तथा इस क्षैत्र में चुनोतियों व अवसर के बारे मे अवगत कराना था। इस कॉन्फ्रेन्स मे 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर डॉ0 एस0 सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आई0 टी0 एस0 कालेज आफ फार्मेसी के बारे में विस्तार से चर्चा की।

डॉ0 एस0 सूद ने कहा कि 'डिजिटल' एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थय, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा हैं। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रह हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती हैं। उन्होने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षैत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया।

डॉ0 एस0 सदीश ने कहा कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षैत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं। हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके। इस अवसर पर बोलते हुए प्रौ0 आर0 के0 शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव, आर0एस0सी0 लन्दन ने 'हरित विज्ञान के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि हरित रसायन विज्ञान मे रसायानो की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला मे शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसायिक अनुप्रयोग शामिल हैं तथा उद्योगो को ग्रीन कैमिस्ट्री अपनाना होगा क्योंकि यह न केवल समाज ओर पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि कंपनियो को आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाऐगा। डॉ0 वी0 कलाईसेलवन, सीनीयर सांइटिफिक ऑफिसर इन्डियन फॉर्मोकोपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फार्माकोविजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबधी समस्यायों का पता लगानें, मूलायंकन समझने और रोकथाम से संबधित विज्ञान और गतिविधियाँ है। वर्तमान मे भारत फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पी0वी0पी0आई0) के माध्यम से रोगियों और आम जनता की बेहतरी के लिए स्वदेशी प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया डेटा तैयार करने और उसका आकलन करनें में आत्मनिर्भर है। मैटरियोविजिलैंस प्रोग्राम आफ इंडिया (एम0वी0पी0आई0), चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा की निगरानी के लिए भारत सरकार द्वारा संचारित किया गया है।

डॉ0 वरूण सूर्या सी0 डी0 ई0 एण्ड आर0, एम्स(ए0आई0आई0एम0एस0) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थय की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यू0 एच0 आई0 डी0 इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है।

जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी का विवरण, उपचार, लैब टैस्ट रिर्पोट, मैडिकल प्रिसक्रिपसन आदि को आसानी से देख व मैनेज कर सकते है।

डॉ0 रिकेश्वर प्रसाद देवगन एस0 पी0 ई0 एण्ड आर0 जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने कहा कि बायोफिल्म संबंधित संक्रमणो के खिलाफ स्थिर रोगाणुरोधी पैप्टाइड'' एक संपर्क नाशक है। उन्होंने बताया कि पेप्टाइड अणुओं के रूप में होने के कारण इसे चिकित्सा उपकरणों की सतहो पर स्थिर करना आसान है ताकि एंटीफिंलग सतहो के रूप मे बनाया जा सके।

जो कि बायोफिल्म के संक्रमण को रोकने में सहायक हैं। इस अवसर पर डॉ0 आर0 पी0 चढढा, चेयरमैन व श्री अर्पित चढढा, वाइस-चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षको को मैटरियोविजिलैंस तथा हेल्थ केयर के क्षैत्र मे नई तकनीकियों के उपयोग व अनुसंधान की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ0 राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ0 मनोज कुमार शर्मा, डॉ0 शालिनी साहनी, डॉ0 मधु वर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाजपा सरकार अनुसूचित जाति के विकास को

मोदीनगर में चल रहे अनिश्चित कालीन धरना पर

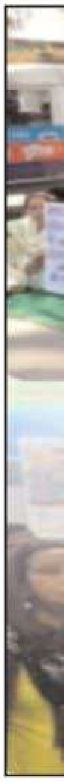

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मे एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स चैलेंजिग और अर्पाचुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेन्स ग्रीन कैमिस्ट्र नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एसपीइआर जामिया हमर्दद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो आर के शर्मा, डॉ वी कलाईसेलवन, सुरेन्द्र सूद डारेक्टर-पी आर, आई टी एस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ एस सदीश कुमार निदेशक आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया। कॉन्फ्रेन्स का उद्देश्य छात्रों को मैटरियोविजिलैंस तथा स्वास्थय के क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग के बारे मे तथा इस क्षैत्र में चुनोतियों व अवसर के बारे मे अवगत कराना था। कॉन्फ्रेन्स में 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर डॉ एस सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आई टी एस कालेज आफ फामेर्सी के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉ एस सूद ने कहा कि ॄडिजिटलॄ एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थय, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा हैं। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रह हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती हैं। उन्होंने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षैत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया।

डॉ0 एस0 सदीश ने कहा कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षैत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं।हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके।इस अवसर पर बोलते हुए प्रौ0 आर0 के0 शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव, आर0एस0सी0 लन्दन ने ॄहरित विज्ञान के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि हरित रसायन विज्ञान मे रसायानो की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला मे शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसायिक अनुप्रयोग शामिल हैं तथा उद्योगो को ग्रीन कैमिस्ट्री अपनाना होगा क्योंकि यह न केवल समाज ओर पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि कंपनियो को आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाऐगा। डॉ0 वी0 कलाईसेलवन, सीनीयर सांइटिफिक आफिसर इन्डियन फॉमोकोंपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फामार्कोविजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबधी समस्यायों का पता लगानें, मूलायंकन समझने और रोकथाम से संबधित विज्ञान और गतिविधियाँ है।

वर्तमान मे भारत फामार्कोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पी वी पी आई) के माध्यम से रोगियों और आम जनता की बेहतरी के लिए स्वदेशी प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया डेटा तैयार करने और उसका आकलन करनें में आत्मनिर्भर है। मैटरियोविजिलैंस प्रोग्राम आफ इंडिया (एम वी पी आई), चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा की निगरानी के लिए भारत सरकार द्वारा संचारित किया गया है।

डॉ वरूण सूर्या सीडी ई एण्ड आर , एम्स (एआईआईएमएस) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थय की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यू एच आई डी इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी का विवरण, उपचार, लैब टैस्ट रिर्पोट, मैडिकल प्रिसक्रिपसन आदि को आसानी से देख व मैनेज कर सकते है।डॉ रिकेश्वर प्रसाद देवगन एस पी ई एण्ड आर जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने कहा कि बायोफिल्म संबंधित संक्रमणो के खिलाफ स्थिर रोगाणुरोधी पैप्टाइड एक संपर्क नाशक है। उन्होंने बताया कि पेप्टाइड अणुओं के रूप में होने के कारण इसे चिकित्सा उपकरणों की सतहो पर स्थिर करना आसान है ताकि एंटीफिंलग सतहो के रूप मे बनाया जा सके।

जो कि बायोफिल्म के संक्रमण को रोकने में सहायक हैं।इसस अवसर पर डॉ आर पी चढढा, चेयरमैन व अर्पित चढढा, वाइस-चेयरमैन, आईटी एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षको को मैटरियोविजिलैंस तथा हेल्थ केयर के क्षैत्र मे नई तकनीकियों के उपयोग व अनुसंधान की जानकारी प्राप्त हुई।

इस अवसर पर डॉ राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ मनोज कुमार शर्मा, डॉ शालिनी साहनी, डॉ मधु वर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईटीएस डेंटल कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस

50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने दिया पोस्टर प्रजेन्टेशन

गाजियाबाद (सच कहूँ न्यूज)। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में एक दिवसीय कॉफ्रेंस चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. आरके शर्मा, डॉ वी कलाईसेलवन, सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पीआर, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ एस सदीश कुमार निदेशक आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने संयुक्त रुप से द्वीप प्रज्जवलन करके किया गया।

कॉफ्रेंस में 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किए। डायरेक्टर डॉ एस सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आईटीएस कालेज आफ फार्मेसी के बारे में विस्तार से चर्चा की।

डॉ एस सूद ने कहा कि डिजिटल एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थय, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा हैं। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रह हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती हैं। उन्होने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षैत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया।

डॉ एस सदीश ने कहा कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षैत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं। हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके।

प्रो. आरके शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव, आरएससी लन्दन ने डॉ वी कलाईसेलवन, सीनीयर सांइटिफिक ऑफिसर इन्डियन फॉमोकीपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फार्माको विजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबधी समस्यायों का पता लगानें, मूलायंकन समझने और रोकथाम से संबधित विज्ञान और गतिविधियॉं है। वर्तमान मे भारत फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के माध्यम से रोगियों और आम जनता की बेहतरी के लिए स्वदेशी प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया डेटा तैयार करने और उसका आकलन करनें में आत्मनिर्भर है।

गाजियाबाद (उ.प्र.) एवं देहरादून (उत्तराखंड) से एक साथ प्रकाशित
@manasvi_vani
www. manasvivani.com
मनस्वी वाणी
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र
वर्ष : 8 अंक : 148 पृष्ठ : 6 मूल्य : 2 रु. गाजियाबाद, सोमवार, 02 अक्टूबर, 2023 RNI No. UPHIN/2016/67940 : manasvivani@gmail.com 8285002838

Since 1995
Raja Travels & Car Bazar
Taxi Service, Air & Rail Tickets
Sale & Purchase Of Used Cars
WE VALUE YOUR CAR
Contact : 9811172512, 9891041444
LOHIA NAGAR / NEW ARYA NAGAR (GHAZIABAD)
आपका विश्वास हमारी पहचान

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला में डिजिटल शब्द को लेकर दिए गए व्याख्यान

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज ऑफ फामेर्सी में चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 50 कॉलेजों के पांच सौ से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

आईटीएस में आयोजित कार्यशाला का शुभारम्भ आरके शर्मा ,डॉ. वी कलाईसेलवन व निदेशक सुरेन्द्र सूद ने दीप प्रज्जवलन करके किया। इस दौरान छात्रों को मैटरियोविजिलैंस तथा स्वास्थय के क्षैत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग के बारे और आने वाली चुनौतियों के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर एस सूद ने कहा कि डिजिटल एक ऐसा शब्द है ,जो उद्योग स्वास्थ्य , व्यापार , सुरक्षा व शिक्षा सहित अन्य स्थानों पर प्रयोग हो रहा है। उन्होने कहा कि इसके नाम के उपयोग पर कई प्रकार की सावधानियां भी बरतनी पड़ रही है। उन्होने कहा कि मेडिकल डिवाइस का काफी तेजी से प्रयोग बढ़ा है। यह उद्योग व शिक्षक संस्थान के बीस सेतू के रुप में काम कर रहा है। इस मौके पर संस्थान के चेयरमैन आरपी चद्डा ,अर्पित चद्डा ,मनोज कुमार शर्मा ,शलिनी साहनी ,व मधु वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स का हुआ आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेन्स ग्रीन कैमिस्ट्र नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एसपीइआर जामिया हमर्दद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रौ. आरके शर्मा, डॉ. वी. कलाईसेलवन, सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी. आर. आईटीएस दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस. सदीश कुमार निदेशक आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस कॉन्फ्रेन्स का उद्देश्य छात्रों को मैटरियोविजिलैंस तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग तथा इस क्षैत्र में चुनौतियों व अवसर के बारे मे अवगत कराना रहा। इस कॉन्फ्रेन्स मे 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर डॉ एस सदीश ने आईटीएस कालेज आफ फामेर्सी के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. एस. सूद ने कहा कि डिजिटल एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थ्य, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा हैं। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रह हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती हैं। डॉ एस सदीश ने कहा कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षेत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं। हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. आर.के. शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव आरएससी लन्दन ने ह्यहरित विज्ञान के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि हरित रसायन विज्ञान में रसायानो की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला मे शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसायिक अनुप्रयोग शामिल हैं तथा उद्योगो को ग्रीन कैमिस्ट्री अपनाना होगा। डॉ वी कलाईसेलवन, सीनीयर सांइटिफिक ऑफिसर इन्डियन फॉर्मोकोपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फामाकोंविजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबधी समस्यायों का पता लगानें, रोकथाम से संबधित विज्ञान और गतिविधियाँ है। वर्तमान में भारत फामाकोंविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के माध्यम से रोगियों के लिए स्वदेशी प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया डेटा तैयार करने और उसका आकलन करनें में आत्मनिर्भर है। मैटरियोविजिलैंस प्रोग्राम आफ इंडिया (एमवीपीआई), चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा की निगरानी के लिए भारत सरकार द्वारा संचारित किया गया है। डॉ वरूण सूर्या सीडीई एण्ड आर एम्स (एआईआईएमएस) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थय की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यूएचआईडी इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी का विवरण, उपचार, लैब टैस्ट रिपोर्ट मैडिकल प्रिसक्रिपसन आदि को आसानी से देख व मैनेज कर सकते है।डॉ रिकेश्वर प्रसाद देवगन एसपीई एण्ड आर जामिया हमदर्द नई दिल्ली ने कहा कि बायोफिल्म संबंधित संक्रमणो के खिलाफ स्थिर रोगाणुरोधी पैप्टाइड एक संपर्क नाशक है। इस अवसर पर डॉ आरपी चढढा, चेयरमैन व अर्पित चढढा, वाइस-चेयरमैन, आईटीएस दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षको को मैटरियोविजिलैंस तथा हेल्थ केयर के क्षेत्र मे नई तकनीकियों के उपयोग व अनुसंधान की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ. राजकुमारी ने सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ मनोज कुमार शर्मा, डॉ शालिनी साहनी, डॉ मधु वर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मे कॉन्फ्रेंस का आयोजन

गाजियाबाद (युग करवट)। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, में एक दिवसिय कॉन्फ्रेंस चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आरके शर्मा, वी कलाईसेलवन, सुरेन्द्र सूद डॉ0 एस सदीश कुमार ने किया गया। इसमे 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर एस सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आईटीएस कालेज आफ फार्मेसी के बारे में विस्तार से चर्चा की।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मे

एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

संवाददाता (आप अभीतक)

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में एक दिवसिय कॉन्फ्रेन्स चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेन्स ग्रीन कैमिस्ट्री नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एसपीइआर जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो. आर के शर्मा, डॉ. वी कलाईसेलवन, सुरेन्द्र सूद डारेक्टर-पी आर, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस सदीश कुमार निदेशक आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया।

इस कॉन्फ्रेन्स का उद्देश्य छात्रों को मैटरियोविजिलैंस तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग के बारे मे तथा इस क्षेत्र में चुनौतियों व अवसर के बारे मे अवगत कराना था।

इस कॉन्फ्रेन्स में 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर डॉ. एस सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आईटीएस कालेज आफ फामेर्सी के बारे में विस्तार से चर्चा की।

डॉ एस सूद ने कहा कि डिजिटल एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थ्य, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा हैं। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती हैं। उन्होने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया।

डॉ. एस सदीश ने कहा कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षेत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं। हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. आर के शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव, आरएससी लन्दन ने हरित विज्ञान के बारे में बताया। उन्होंनें कहा कि हरित रसायन विज्ञान मे रसायनो की संपूर्ण आपुर्ति श्रृंखला मे शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसायिक अनुप्रयोग शामिल हैं।

डॉ. वी कलाईसेलवन, सीनीयर सांइटिफिक ऑफिसर इन्डियन फार्मोकोपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फामाकोविजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबंधी समस्यायों का पता लगाने, मूलायंकन समझने और रोकथाम से संबंधित विज्ञान और गतिविधियाँ है।

डॉ. वरूण सूर्या सीडीई एण्ड आर, एम्स (एआईआईएमएस) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थय की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यूएचआईडी इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी का विवरण, उपचार, लैब टैस्ट रिर्पोट, मैडिकल प्रिसक्रिपसन आदि को आसानी से देख व मैनेज कर सकते है।

डॉ. रिकेश्वर प्रसाद देवगन एस पीई एण्ड आर जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने कहा कि बायोफिल्म संबंधित संक्रमणो के खिलाफ स्थिर रोगाणुरोधी पैप्टाइड एक संपर्क नाशक है।

इस अवसर पर डॉ. आर पी चढ़ढा, चेयरमैन व अर्पित चढ़ढा, वाइस-चेयरमैन, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी।

आयोजन इस कॉन्फ्रेन्स मे 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मे एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में छाइचैलेंजिंग और अपॉर्चुनिटी इन मैटेरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम नामक एक दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेन्स ग्रीन कैमिस्ट्र नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एसपीइआर जामिया हमर्दद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो० आरके शर्मा, डॉ० वी कलाईसेलवन, श्री सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पीआर, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ० एस सदीश कुमार निदेशक आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेसी के द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया। इस कॉन्फ्रेन्स का उद्देश्य छात्रों को मैटेरियोविजिलैंस तथा स्वास्थ्य के क्षैत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग के बारे मे तथा इस क्षैत्र में चुनौतियों व अवसर के बारे मे अवगत कराना था। इस कॉन्फ्रेन्स मे 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर डॉ० एस सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आईटीएस कालेज आफ फामेर्सी के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉ० एस सूद ने कहा कि ड्डिजिटलद्व एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थ्य, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा है। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती है। उन्होंने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षैत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया। डॉ० एस सदीश ने कहा

कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षैत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं। हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके। डॉ० वरूण सूर्या सीडीई एण्ड आर एम्स (एआईआईएमएस) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थ्य की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यूएचआईडी इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी का विवरण, उपचार, लैब टैस्ट रिपोर्ट, मैडिकल प्रिसक्रिपसन आदि को आसानी से देख व मैनेज कर सकते है। इस अवसर पर डॉ० आरपी चढ्ढा, चेयरमैन व श्री अर्पित चढ्ढा, वाइस-चेयरमैन, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को मैटेरियोविजिलैंस तथा हेल्थ केयर के क्षैत्र मे नई तकनीकियों के उपयोग व अनुसंधान की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ० राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोर्डिनेटर डॉ० मनोज कुमार शर्मा, डॉ० शालिनी साहनी, डॉ० मधु वर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मे एक दिवसीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

धारा न्यूज संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर में एक दिवसिय कान्फ्रेन्स "चैलेंजिस और अपॉर्चुनिटी इन मैटेरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटम" नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। यह कॉन्फ्रेन्स ग्रीन कैमिस्ट्र नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एस0पी0इ0आर0 जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो0 आरके शर्मा, डॉ0 वी0 कलाईसेलवन, श्री सुरेन्द्र सूद डांयरेक्टर- पीआर, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ0 एस0 सदीश कुमार निदेशक आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। इस कॉन्फ्रेन्स का उद्देश्य छात्रों को मैटेरियोविजिलैंस तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग के बारे मे तथा इस क्षेत्र में चुनौतियों व अवसर के बारे मे अवगत कराना था। इस कॉन्फ्रेन्स मे 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किये। डायरेक्टर डॉ0 एस0 सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आई0 टी0 एस0 कालेज आफ फार्मेसी के बारे में विस्तार से चर्चा की।डॉ0 एस0 सूद ने कहा कि 'डिजिटल' एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थ्य, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा है। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रहे है। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमायें हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती है।

उन्होंने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो0 आर0 के0 शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव, आर0एस0सी0 लन्दन ने 'हरित विज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हरित रसायन विज्ञान मे रसायनों की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला मे शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसायिक अनुप्रयोग शामिल है तथा उद्योगो को ग्रीन कैमिस्ट्री अपनाना होगा क्योंकि यह न केवल समाज और पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि कंपनियो को आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाऐगा।डॉ0 वी0 कलाईसेलवन, सीनीयर सांईटिफिक ऑफिसर इन्डियन फॉर्मोकोपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फार्माकोविजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबंधी समस्यायों का पता लगाने, मूल्यांकन समझने और रोकथाम से संबधित विज्ञान और गतिविधियां है। वर्तमान मे भारत फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपी आई) के माध्यम से रोगियों और आम जनता की बेहतरी के लिए स्वदेशी प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया डेटा तैयार करने और उसका आकलन करने मे आत्मनिर्भर है। मैटेरियोविजिलैंस प्रोग्राम आफ इंडिया (एमवीपीआई), चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा की निगरानी के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित किया गया है। डॉ0 वरूण सूर्या सीडीई एण्ड आर, एम्स (एआई आईएमएस) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थ्य की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यू0 एच0 आई0 डी0 इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी का विवरण, उपचार, लैब टैस्ट रिर्पोट, मैडिकल प्रिसक्रिपसन आदि को आसानी से देख व मैनेज कर सकते

आईटीएस डेंटल कॉलेज ऑफ फामेर्सी में एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

गाजियाबाद (उदय भूमि ब्यूरो)। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में शनिवार को एक दिवसीय कॉफ्रेंस "चैलेंजिग और अर्पोर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलैंस एण्ड डिजिटल हैल्थ केयर सिसटमझ्ञ नामक शीर्षक का आयोजन किया गया। यह कॉफ्रेंस ग्रीन कैमिस्ट्र नैटवर्क सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, लन्दन तथा एसपीइआर जामिया हमर्दद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. आरके शर्मा, डॉ वी कलाईसेलवन, सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पीआर, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ एस सदीश कुमार निदेशक आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी द्वारा संयुक्त रुप से द्वीप प्रज्जवलन करके किया गया। कॉफ्रेंस में 50 से अधिक कॉलेज के 500 से ज्यादा छात्रों व डेलिगेट ने पोस्टर प्रजेन्टेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किए। डायरेक्टर डॉ एस सदीश ने सभी प्रतिनिधियों से वक्ताओं का परिचय कराया एवं आईटीएस कालेज आफ फामेर्सी के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉ एस सूद ने कहा कि 'डिजिटलइ एक ऐसा शब्द है जो उद्योग, स्वास्थय, व्यापार सुरक्षा, शिक्षा आदि मे प्रयोग हो रहा हैं। इसके प्रयोग से हम अवसर के साथ कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रह हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग की कुछ सीमाये हैं। यह तकनीक हमारे जीवन को साधारण व आसान बनाती हैं। उन्होंने डिजिटल तकनीक के विभिन्न क्षैत्रों मे अवसरों के बारे मे बताया। डॉ एस सदीश ने कहा कि मैडिकल डिवाइस का पब्लिक हैल्थ के क्षैत्र मे तेजी से प्रयोग हो रहा हैं। हमे उद्योग व शिक्षण संस्थान के मध्य एक सेतु बनाना होगा, जिससे कि डिजिटल तकनीक का सही तरीके से प्रयोग हो सके। प्रो. आरके शर्मा, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेन्टर दिल्ली विश्वविद्यालय, सचिव, आरएससी लन्दन ने झहरित विज्ञान के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि हरित रसायन विज्ञान मे रसायानो की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला मे शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसायिक अनुप्रयोग शामिल हैं। डॉ वी कलाईसेलवन, सीनीयर सांइटिफिक ऑफिसर इन्डियन फॉमोकौपिया कमीशन गाजियाबाद ने कहा कि फामाकौविजिलेंस प्रतिकूल घटनाओं और अन्य दवा संबधी समस्यायों का पता लगानें, मूलायंकन समझने और रोकथाम से संबधित बिज्ञान और गतिविधियॉ है। डॉ वरूण सूर्या सीडीई एण्ड आर, एम्स (एआईआईएमएस) नई दिल्ली ने कहा कि आजकल डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थय की देख भाल के लिए आयुष्मान कार्ड, यूएचआईडी इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकार्ड आदि के रूप में किया जा रहा है। डॉ रिकेश्वर प्रसाद देवगन एसपीई एण्ड आर जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने कहा कि बायोफिल्म संबंधित संक्रमणो के खिलाफ " स्थिर रोगाणुरोधी पैप्टाइडझ्ञ एक संपर्क नाशक है। उन्होंने बताया कि पेप्टाइड अणुओं के रूप में होने के कारण इसे चिकित्सा उपकरणों की सतहो पर स्थिर करना आसान है। चेयरमैन आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कॉफ्रेंस में भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। इस अवसर पर डॉ राजकुमारी सभी डेलीगेटस, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ मनोज कुमार शर्मा, डॉ शालिनी साहनी, डॉ मधु वर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

हेल्थ केयर सिस्टम विषय पर कार्यशाला आयोजित

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज ऑफ फार्मेसी में चैलेंजिग और अपॉर्चुनिटी इन मैटरियोविजिलेंस एंड डिजिटल हेल्थ केयर सिस्टम विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 50 कॉलेजों के पांच सौ से अधिक छात्रों ने भाग लिया। आईटीएस में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ आरके शर्मा, डॉ. वी कलाईसेलवन और निदेशक सुरेंद्र सूद ने दीप प्रज्जवलन करके किया। इस मौके पर संस्थान के चेयरमैन आरपी चड्ढा, अर्पित चड्ढा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को डिजिटल प्रणाली से कराया अवगत

वि. मुरादनगर : आईटीएस कालेज आफ फार्मेसी में शनिवार को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई, जिसका विषय चैलेंजिज एंड अपार्चुनिटी इन मैटीरियोविजिलेंस एंड डिजिटल हेल्थ केयर सिस्टम रहा। आसपास के तमाम कालेज से यहां विद्यार्थी हिस्सा लेने पहुंचे। शुभारंभ प्रो. आरके शर्मा, डा. वी कल्याईसेल्वन, सुरेंद्र सूद, डा. एस सतीश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को मैटीरियोविजिलेंस व स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही इस क्षेत्र में चुनौती व अवसर के बारे में बताया गया। इस दौरान 500 से अधिक पोस्टर प्रजेंटेशन व शोध पत्र प्रदर्शित किए गए। इससे विद्यार्थियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिला।